Self Respect

25-06-2014

- ✓अभी तुम समझते हो यह पढ़ाई पढ़कर लक्ष्मी-नारायण विश्व के मालिक बने हैं | किसने बनाया? परम आत्मा ने | तुम आत्मायें भी पढ़ाती हो | बड़ाई यह है जो बाप आकर तुम बच्चों को पढ़ाते हैं और राजयोग भी सिखलाते हैं | कितना सहज है | इसको कहा जाता है राजयोग |

- ✓अभी तुम बच्चों को बाप बाप बैठ पढ़ाते हैं | उनको कहा जाता है कल्याणकारी |

✓तुम बच्चे जानते हो बाबा ने हमको कितना ऊँच बनाया है | यह पढ़ाई है | बाप टीचर बन पढ़ाते हैं | तुम मनुष्य से देवता बनने के लिए पढ़ रहे हो |

✓रचयिता ख़ुद ही बैठ अपना परिचय देते हैं | मैं कैसे और किस रथ में आता हूँ | बच्चे तो जानते हैं कि बाप का रथ कौन-सा है | बहुत मनुष्य मूँझे हुए हैं | किस-किस का रथ बना देते हैं | जानवर आदि में तो आ न सकें |

✓ईश्वर का यज्ञ रचा हुआ है | खुदा इसमें बैठ रूद्र ज्ञान यज्ञ रचते हैं, उसको पढ़ाई भी कहा जाता है | रूद्र शिवबाबा जो ज्ञान का सागर है, उसने यज्ञ रचा है ज्ञान देने के लिए | अक्षर बिल्कुल ठीक है | राजस्व, स्वराज्य पाने के लिए यज्ञ | इसको यज्ञ क्यों कहते हैं? यज्ञ में तो वह लोग आहुति आदि बहुत डालते हैं | तुम तो पढ़ते हो, आहुति क्या डालते हो? तुम जानते हो हम पढ़कर होशियार हो जायेंगे | फिर यह सारी दुनिया इसमें स्वाहा हो जायेगी | यज्ञ में पिछाड़ी के टाइम पर जो भी सामग्री है, सब डाल देते हैं |

- ✓ तुम बच्चों को बाप सब विल कर देते हैं | बाप ज्ञान का सागर, शान्ति का सागर है, सारा विल कर देते हैं बच्चों को |

- ✓वो भल इस समय करोड़पति हैं, परन्तु अल्पकाल के लिए | सबका ख़लास हो जायेगा | वर्थ पाउण्ड तो तुम बनते हो | अभी तुम स्टूडेन्ट हो |

✓बाप तो रियल बात बताते हैं | बाप है ट्रुथ | वह कभी उल्टा नहीं बतलाते | यह सब बातें मनुष्य कोई समझ न सकें | न बच्चों बिगर मनुष्यों को कैसे पता पड़े |

✓देह-भान को देही-अभिमानी स्थिति में परिवर्तन करने वाले बेहद के वैरागी भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |